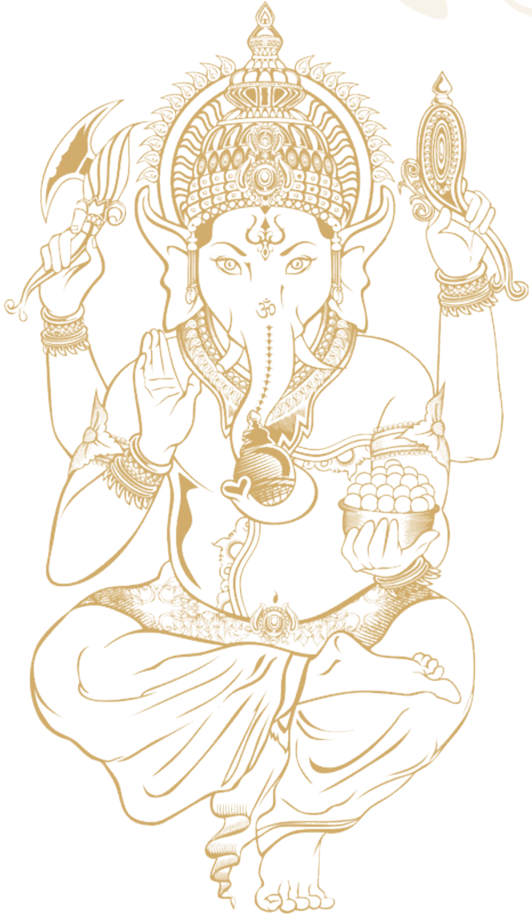

Ms. Anya

21 Sep 2009

02:58 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119502803

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/09/2009	जन्म तिथि	**21/09/2025**
सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 14:58:00	जन्म समय	17:22:38 घंटे
घटी 22:02:33	जन्म समय(घटी)	28:03:57 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:58	सूर्योदय	06:09:03
18:19:19	सूर्यास्त	18:19:10
23:59:49	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:03
मकर	लग्न	कुम्भ
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शनि
तुला	राशि	कन्या
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
स्वाति	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
राहु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	2
ऐन्द्र	योग	शुभ
गर	करण	नाग
रू-रूपेश	जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	श्वान
16	गत/तत्कालिक वर्ष	17

जन्म - विवरण वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढ़ा	2	00:04:25	मक			लग्न			कुंभ	15:17:20	3	शतभिषा
उ०फाल्गुनी	3	04:32:30	कन्या			सूर्य			कन्या	04:32:30	3	उ०फाल्गुनी
स्वाति	1	08:36:06	तुला			चंद्र			कन्या	00:43:54	2	उ०फाल्गुनी
पुनर्वसु	1	22:16:31	मिथु			मंगल			तुला	05:13:21	4	चित्रा
उ०फाल्गुनी	2	02:33:54	कन्या	व	अ	बुध		अ	कन्या	11:11:52	1	हस्त
धनिष्ठा	1	23:56:40	मक	व		गुरु			मिथु	26:59:00	3	पुनर्वसु
मघा	3	07:00:58	सिंह			शुक्र			सिंह	08:11:16	3	मघा
उ०फाल्गुनी	2	01:26:53	कन्या		अ	शनि	व		मीन	04:16:20	1	उ०भाद्रपद
उत्तराषाढ़ा	3	04:16:35	मक	व		राहु	व		कुंभ	24:09:26	2	पू०भाद्रपद
पुष्य	1	04:16:35	कर्क	व		केतु	व		सिंह	24:09:26	4	पू०फाल्गुनी
पू०भाद्रपद	4	00:28:57	मीन	व		मु			वृष	00:04:25	2	कृतिका

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

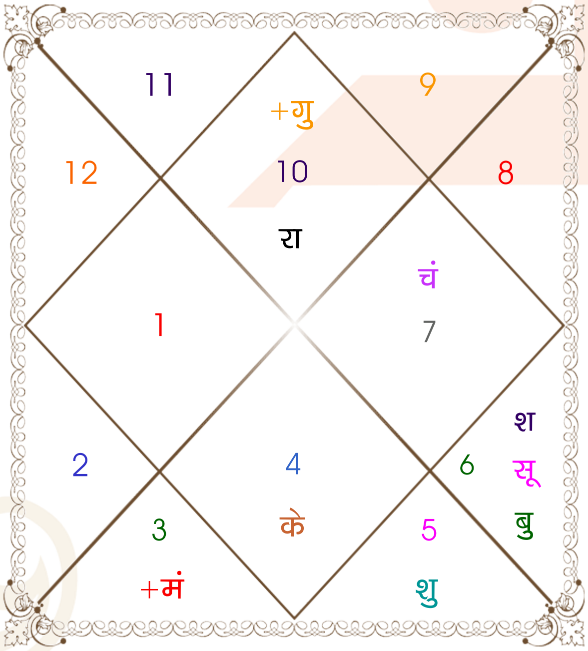

वर्ष लग्न कुंडली

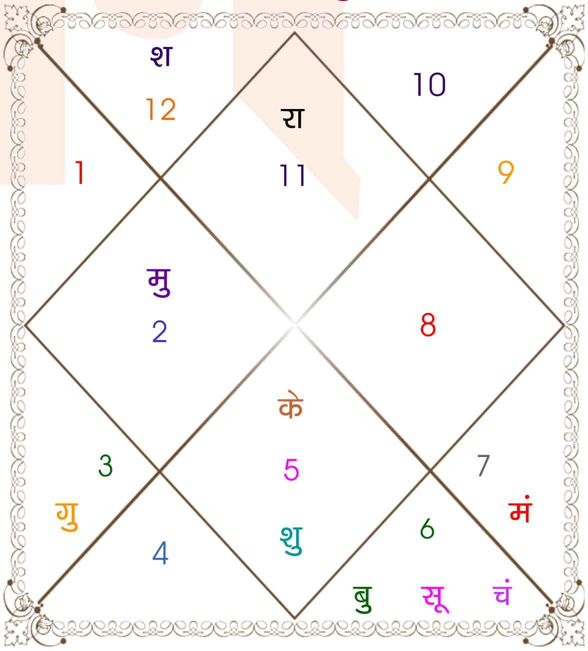

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - गुरु - शनि	
24/05/2025 20:08	
25/09/2025 05:06	
शनि	13/06/2025 08:57
बुध	30/06/2025 20:25
केतु	08/07/2025 01:09
शुक्र	28/07/2025 14:38
सूर्य	03/08/2025 18:41
चंद्र	14/08/2025 01:26
मंगल	21/08/2025 06:09
राहु	08/09/2025 18:18
गुरु	25/09/2025 05:06

गुरु - गुरु - बुध	
25/09/2025 05:06	
13/01/2026 14:22	
बुध	10/10/2025 20:24
केतु	17/10/2025 06:57
शुक्र	04/11/2025 16:30
सूर्य	10/11/2025 04:58
चंद्र	19/11/2025 09:44
मंगल	25/11/2025 20:16
राहु	12/12/2025 09:40
गुरु	27/12/2025 02:54
शनि	13/01/2026 14:22

गुरु - गुरु - केतु	
13/01/2026 14:22	
28/02/2026 01:15	
केतु	16/01/2026 06:00
शुक्र	23/01/2026 19:49
सूर्य	26/01/2026 02:22
चंद्र	29/01/2026 21:16
मंगल	01/02/2026 12:54
राहु	08/02/2026 08:32
गुरु	14/02/2026 09:59
शनि	21/02/2026 14:43
बुध	28/02/2026 01:15

गुरु - गुरु - शुक्र	
28/02/2026 01:15	
07/07/2026 22:03	
शुक्र	21/03/2026 16:43
सूर्य	28/03/2026 04:34
चंद्र	08/04/2026 00:18
मंगल	15/04/2026 14:06
राहु	05/05/2026 01:38
गुरु	22/05/2026 09:12
शनि	11/06/2026 22:42
बुध	30/06/2026 08:14
केतु	07/07/2026 22:03

गुरु - गुरु - सूर्य	
07/07/2026 22:03	
15/08/2026 21:06	
सूर्य	09/07/2026 20:48
चंद्र	13/07/2026 02:44
मंगल	15/07/2026 09:16
राहु	21/07/2026 05:32
गुरु	26/07/2026 10:12
शनि	01/08/2026 14:15
बुध	07/08/2026 02:43
केतु	09/08/2026 09:15
शुक्र	15/08/2026 21:06

गुरु - गुरु - चंद्र	
15/08/2026 21:06	
19/10/2026 19:30	
चंद्र	21/08/2026 06:58
मंगल	25/08/2026 01:52
राहु	03/09/2026 19:38
गुरु	12/09/2026 11:25
शनि	22/09/2026 18:10
बुध	01/10/2026 22:56
केतु	05/10/2026 17:50
शुक्र	16/10/2026 13:34
सूर्य	19/10/2026 19:30

गुरु - गुरु - मंगल	
19/10/2026 19:30	
04/12/2026 06:22	
मंगल	22/10/2026 11:08
राहु	29/10/2026 06:46
गुरु	04/11/2026 08:13
शनि	11/11/2026 12:56
बुध	17/11/2026 23:28
केतु	20/11/2026 15:07
शुक्र	28/11/2026 04:55
सूर्य	30/11/2026 11:28
चंद्र	04/12/2026 06:22

गुरु - गुरु - राहु	
04/12/2026 06:22	
31/03/2027 03:30	
राहु	21/12/2026 19:08
गुरु	06/01/2027 09:09
शनि	24/01/2027 21:18
बुध	10/02/2027 10:42
केतु	17/02/2027 06:20
शुक्र	08/03/2027 17:51
सूर्य	14/03/2027 14:06
चंद्र	24/03/2027 07:52
मंगल	31/03/2027 03:30

गुरु - शनि - शनि	
31/03/2027 03:30	
24/08/2027 15:38	
शनि	23/04/2027 08:13
बुध	14/05/2027 02:20
केतु	22/05/2027 15:27
शुक्र	16/06/2027 01:28
सूर्य	23/06/2027 09:16
चंद्र	05/07/2027 14:17
मंगल	14/07/2027 03:24
राहु	05/08/2027 02:49
गुरु	24/08/2027 15:38

गुरु - शनि - बुध	
24/08/2027 15:38	
02/01/2028 17:39	
बुध	12/09/2027 05:19
केतु	19/09/2027 20:50
शुक्र	11/10/2027 17:10
सूर्य	18/10/2027 06:29
चंद्र	29/10/2027 04:39
मंगल	05/11/2027 20:10
राहु	25/11/2027 12:04
गुरु	12/12/2027 23:32
शनि	02/01/2028 17:39

गुरु - शनि - केतु	
02/01/2028 17:39	
25/02/2028 17:04	
केतु	05/01/2028 21:13
शुक्र	14/01/2028 21:07
सूर्य	17/01/2028 13:54
चंद्र	22/01/2028 01:51
मंगल	25/01/2028 05:25
राहु	02/02/2028 07:43
गुरु	09/02/2028 12:27
शनि	18/02/2028 01:33
बुध	25/02/2028 17:04

गुरु - शनि - शुक्र	
25/02/2028 17:04	
28/07/2028 22:16	
शुक्र	22/03/2028 09:56
सूर्य	30/03/2028 03:00
चंद्र	11/04/2028 23:26
मंगल	20/04/2028 23:20
राहु	14/05/2028 02:31
गुरु	03/06/2028 16:01
शनि	28/06/2028 02:02
बुध	19/07/2028 22:22
केतु	28/07/2028 22:16

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शरीर में कष्ट भी उत्पन्न होगा जिससे आपको परेशानी रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में अशान्ति तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। ज्ञानार्जन के प्रति भी इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक आप नवीन शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। मिष्ठान्न इस समय आपको प्रियकर लगेंगे तथा यत्न पूर्वक इनका भक्षण करेंगे जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। इस समय आपका सामाजिक प्रभाव मध्यम रहेगा तथा यथा कदा ही अन्य जन आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आपको समय समय पर परेशानी उत्पन्न होगी तथा उनसे आप चिन्तित रहेंगे। स्त्री पक्ष से भी आप सामान्य सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम ही रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक अल्प मात्रा में ही लाभ एवं उन्नति होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी उन्नति में विलम्व तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु जीविका कार्य निरन्तर चलने वाला रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। यद्य पि इस समय आपको कष्ट प्राप्त होगा परन्तु उसे छिपाने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे सहयोग तथा लाभ भी अल्प ही रहेगा साथ ही परिश्रम पूर्वक खेल के क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आपके लिए समय अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगी फलतः आप में दुर्बलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। अतः आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को पूर्ण करने में असमर्थ रहेंगी। इस समय आपके हृदय में व्याकुलता रहेगी फलतः मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित रहेंगी तथा वे समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आपको काफी परेशानी तथा असुविधा उत्पन्न होगी। इस वर्ष में आपके सामाजिक मान सम्मान में भी न्यूनता के अवसर आ सकते हैं।अतः ऐसे अवसरों की यत्नपूर्वक आपको उपेक्षा करनी चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र में भी आपकी स्थिति सन्तोष जनक नहीं रहेंगी।राजनीति या नौकरी में आपके वरिष्ठ सहयोगी या उच्चाधिकारी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः कार्य क्षेत्र में पदोन्नति संबधी व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही नौकरी आदि छूटने का भी भय रहेगा।व्यापार आदि में भी इस समय आपके लाभ मार्ग अवरुद्ध रहेंगे फलतः कारोबार में कमी रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी। इस समय बेरोजगारों को कार्य मिलने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। अतः इस वर्ष संघर्ष के लिए तत्पर रहें तथा संयमपूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।